परम पूज्य आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी) के

आचार्य पदारोहण के शताब्दी वर्ष

पर आयोजित

स्वस्ति प्रतियोगिता–2026

निर्देशन :- बा.ब्र. प्रियंका दीदी

आकर्षक एवं भव्य पुरस्कार

प्रथम–1, द्वितीय–2
तृतीय–3, सांत्वना–94
पुरस्कारों की बौछार

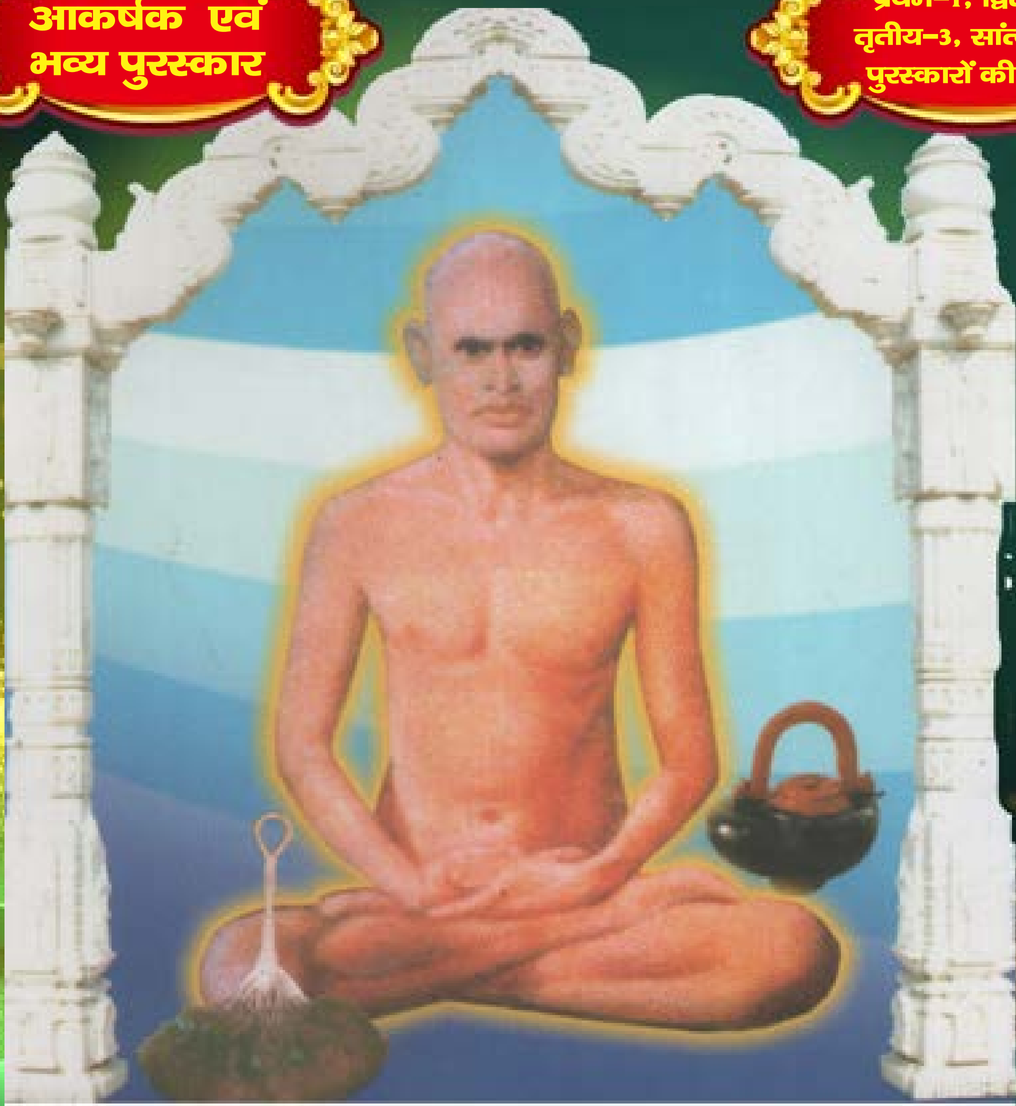

-: आयोजक :-

शुभकामना परिवार

छाणी परम्परा के आचार्य

प्रथम पट्टाचार्य प.पू. श्री 108 सूर्यसागरजी महाराज

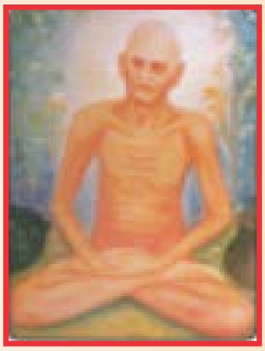

- जन्मतिथि : कार्तिक शुक्ल नवमी वि.सं. 1940 (9.11.1883)
- जन्म स्थान : प्रेमसर जिला ग्वालियर (म.प्र.)
- जन्म नाम : श्री हजारीमल पोरवाल
- माता-पिता श्रीमती गेन्दाबाई-श्री हीरालाल जैन
- ऐलक दीक्षा : आसोज शुक्ल छठ वि.सं. 1981 (4.10.1924), इंदौर (म.प्र.)
- मुनि दीक्षा : मार्गशीर्ष वदी ग्यारस, वि.सं. 1981 (23.11.1924) हाटपीपल्या, जि. देवास (म.प्र.)
- दीक्षा गुरु : आचार्यश्री शांतिसागरजी छाणी महाराज
- आचार्य पद : कार्तिक शु. दशमी, वि.सं. 1985 (22.11.1928) कोडरमा (झारखंड)
- समाधिमरण : श्रावण कृष्ण अष्टमी, वि.सं. 2009 (14.7.1952) डालमिया नगर (झारखंड)
- विशेषता : 35 ग्रंथों की रचना की।

द्वितीय पट्टाचार्य प.पू. श्री 108 विजयसागरजी महाराज (वचन सिद्धि आचार्य)

- जन्मतिथि : माघ सुदी अष्टमी, वि.सं. 1938 (26.01.1882)
- जन्म स्थान : सिरौली, जिला ग्वालियर (म.प्र.)
- जन्म नाम : श्री चोखेलाल जैन
- माता-पिता श्रीमती लक्ष्मीबाई-श्री मानिकचंद जैन
- क्षुल्लक दीक्षा : इटावा (उत्तरप्रदेश)
- ऐलक दीक्षा : मथुरा (उत्तरप्रदेश)
- मुनि दीक्षा : वि.सं. 2000 (सन् 1943), मारोठ, जि. नागौर (राजस्थान)
- दीक्षा गुरु : आचार्यश्री सूर्यासागरजी महाराज
- आचार्य पद : लश्कर, ग्वालियर (म.प्र.)
- समाधिमरण : पौषबदी नवमी, वि.सं. 2019 (20.12.1962) मुरार, जि. ग्वालियर (म.प्र.)

तृतीय पट्टाचार्य प.पू.श्री 108 विमलसागरजी महाराज

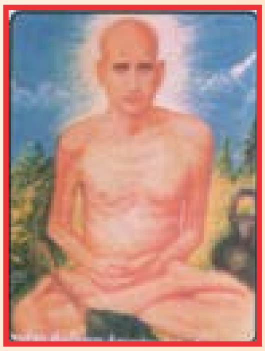

- जन्मतिथि : पौष शुक्ल द्वितीया, वि.सं. 1948 (01.01.1892)
- जन्म नाम : श्री किशोरी लाल जैन
- जन्म स्थान : ग्राम मोना, जिला ग्वालियर (म.प्र.)
- माता-पिता : श्रीमती मथुरादेवी-श्री भीकमचंद जैन
- क्षुल्लक दीक्षा : वि.सं. 1997 (सन् 1941) आ. श्री विमलसागरजी म. द्वारा पाटन, झालावाड़ (राज.)
- ऐलक दीक्षा : कापरेन नगर, जिला कोटा (राज.)
- मुनि दीक्षा : अगहन वदी पं., वि.सं. 2000 (17.11.1943) कोटा (राज.) में विजयसागरजी म. से
- आचार्य पद : वैशाख कृष्ण अष्टमी, संवत् 2030 (सन् 1973) हडोती (राज.) में
- समाधीमरण : चैत्र शुक्ल एकादशी, वि.सं. 2030 (26.04.1973), सांगोद, जि. कोटा (राज.)

छाणी परम्परा के आचार्य

चतुर्थ पट्टाचार्य प.पू. श्री 108 सुमतिसागरजी म. (मासोपवासी समाधि सम्राट)

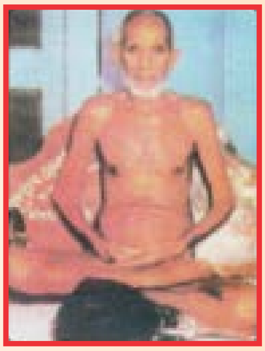

- जन्मतिथि : आसौज शुक्ल चतुर्थी वि.सं. 1974 (20.10.1917)
- जन्म स्थान : ग्राम श्यामपुरा, जिला मुरैना (म.प्र.)
- जन्म नाम : श्री नत्थीलाल जैन
- माता-पिता : श्रीमती चिरौंजीदेवी-श्री छिद्दूलालजी जैन
- ऐलक दीक्षा : चैत्र शुक्ल त्रयोदशी, वि.सं. 2025 (11.4.1968) रेवाड़ी (हरियाणा)
- ऐलक नाम : श्री वीरसागर जी महाराज
- दीक्षा गुरु : आचार्यश्री विमलसागर जी महाराज
- मुनि दीक्षा : अगहन बदी द्वादशी, वि.सं. 2025 (17.11.1968) गाजियाबाद (उ.प्र.) में
- आचार्य पद : ज्येष्ठ सुदी पंचमी, वि.सं. 2030 (05.06.1973) मुरैना (म.प्र.) में,
- आचार्यश्री विमलसागरजी महाराज (भिंड वाले) से
- समधिमरण : क्वार बदी त्रयोदशी, वि.सं. 2051 (3.10.1994) सोनागिरिजी, जि. दतिया (म.प्र.)

पंचम पट्टाचार्य प.पू. 108 श्री विद्याभूषण सन्मतिसागरजी महाराज

- जन्मतिथि : अगहन बदी चतुर्थी, वि.सं. 2006 (10.11.1949)
- जन्म स्थान : ग्राम बरवाई, जिला मुरैना (म.प्र.)
- जन्म नाम : श्री सुरेशचंद जैन
- माता-पिता : श्रीमती सरोजदेवी जैन- श्रीमंत सेठ बाबूलाल जैन
- क्षुल्लक दीक्षा: फाल्गुन शुक्ल तृतीया, वि.सं. 2028 (17.02. 1972) श्री सम्मेदशिखरजी में
- मुनि दीक्षा : चैत्र सुदी त्रयोदशी वि.सं. 2045 (31.03.1988) सोनागिरिजी सिद्धक्षेत्र, जिला दतिया (म.प्र)
- दीक्षा गुरु: आचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज
- पट्टाचार्य पद : चैत्र सुदी पंचमी, वि.सं 2046 (10.04.1989) नरवर, जि. शिवपुरी (म.प्र.) पंचकल्याणक महोत्सव के अवसर पर
- समाधिमरण : फाल्गुन सुदी तृतीया, वि.सं. 2069 (14.03.2013), शकरपुर (दिल्ली)

षष्ठ पट्टाचार्य राष्ट्रसंत, सराकोद्धारक, वात्सल्यमूर्ति प.पू. 108 श्री ज्ञानसागरजी महाराज

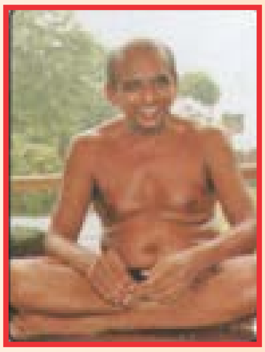

- जन्मतिधि : वैशाख सुदी द्वितीया, वि.सं. 2014 (01.05.1957)
- जन्म स्थान : मुरैना (म.प्र.)
- जन्म नाम: श्री उमेश कुमार जैन
- माता-पिता : श्रीमती अशर्फी देवी-श्री शांतिलाल जैन
- ब्रह्मचर्य व्रत : संवत् 2031 (सन् 1974)
- क्षुल्लक दीक्षा : कार्तिक सुदी चतुर्दशी, वि.सं. 2033 (05.11.1976) आचार्यश्री सुमतिसागर जी महाराज से सोनागिरीजी में
- क्षुल्लक नाम : श्री गुणसागर जी महाराज
- मुनि दीक्षा : चैत्र सुदी त्रयोदशी (महावीर जयंती), वि.सं. 2045 (31.03.1988) सोनागिरजी सिद्धक्षेत्र जिला दतिया (म.प्र.)
- मुनि नाम : मुनिश्री 108 ज्ञानसागरजी महाराज
- दीक्षा गुरु: अचार्यश्री सुमतिसागरजी महाराज
- उपाध्याय पद: माघ वदी अष्टमी, वि.सं. 2045 (30.01.1989), सरधना (मेरठ)
- आचार्य एवं षष्ठ पट्टाचार्य पद : ज्येष्ठ वदी तृतीया, वि.सं. 2070 (27.05.2013) तीर्थक्षेत्र बड़ागांव, जि. बागपत (उ.प्र.)
- समाधि : बारां (राज.) कार्तिक कृष्ण अमावस्या, वि.सं. 2077, भगवान महावीर निर्वाण दिवस रविवार (दीपावली) संध्या 6.00 बजे, 15.11.2020 (दीपावली)

छाणी परम्परा के आचार्य

सप्तम् पट्टाचार्य प.पू. 108 श्री ज्ञेयसागर जी महाराज

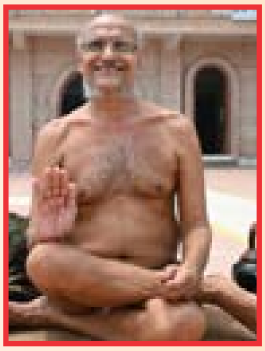

- जन्मतिथि : 7 अप्रैल 1959
- जन्म स्थान : बसौद, जिला बागपत (उ.प्र.)
- जन्म नाम : श्री अनिल कुमार जैन
- माता-पिता : श्रीमती विमला देवी जैन- श्री सुरेश चन्द जैन (वर्तमान में क्षुल्लिका 105 श्री क्षयोपशममति माताजी)
- धर्मपत्नी का नाम : श्रीमती मधु जैन (वर्तमान में आर्यिका श्री 105 उपशममति माताजी)
- दो प्रतिमा व्रत : आचार्यश्री 108 विद्यासागर जी महाराज (बिलासपुर, म.प्र.)
- सात प्रतिमा व्रत : उपाध्याय श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज (मुम्बई में सन् 2011)
- ब्रह्मचर्य व्रत : सन् 2005
- दीक्षा गुरु : आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज
- मुनि दीक्षा : 22 नवम्बर 2013, अतिशय क्षेत्र बड़ागांव, बागपत (उ.प्र.)
- दीक्षोपरान्त नाम : मुनि 108 श्री ज्ञेयसागर जी महाराज
- आचार्य पद : 22 नवम्बर 2020, बारां (राजस्थान)
- आचार्य पद : 23 अप्रैल 2021, मुरैना (म.प्र.)
- पद संस्कारकर्ता : आचार्य श्री 108 विनीत सागर जी महाराज

प्रतियोगिता के नियम व शर्तें

1. परम पूज्य **आचार्य श्री 108 शान्तिसागर जी महाराज (छाणी)** के आचार्य पदारोहण के शताब्दी वर्ष पर आयोजित प्रतियोगिता में **कुल 200 वैकल्पिक प्रश्न** एवं एक **वर्ग पहेली** है।
2. प्रश्नपत्र के अन्त में उत्तर तालिका बनी है, प्रतिभागी को प्रश्न संख्या के सामने ही सही उत्तर के क्रम वाले बॉक्स में (✔) सही का निशान लगाना है।
3. वर्ग पहेली वाली प्रतियोगिता में प्रतिभागी को सही उत्तर **नीले पैन** से बनाना है। एक उदाहरण वहीं पर दिया गया है एवं सही उत्तर, उत्तर तालिका में भी लिखना है।
4. केवल उत्तर तालिका व वर्ग पहेली को प्रतियोगिता से निकालकर सफेद लिफाफे में डालकर पत्रिका में दिये गये पते पर भेजना है।
5. प्रेषक अपना नाम, पिता/पति का नाम, मोबाईल नं. स्पष्ट लिखें।
6. उत्तर तालिका में कटिंग नहीं होनी चाहिये एवं **नीले पैन** से भरी होनी चाहिये, अन्यथा स्वीकार नहीं होगी।
7. निर्णायक मण्डल का निर्णय ही अन्तिम मान्य होगा। दिये जाने वाले पुरस्कारों में परिस्थितिवश परिवर्तन सम्भव है।
8. उत्तर भेजने की अन्तिम तिथि **30 सितम्बर 2026** है। प्रतियोगिता की फोटोस्टेट मान्य है लेकिन उत्तर तालिका **मूल रूप (हाथ से नीले पैन द्वारा)** से भरी होनी चाहिये।
9. विजेताओं के नाम की घोषणा **पूज्या आर्यिका श्री 105 स्वस्ति भूषण जी** के सान्निध्य में (जहां पर भी विराजित होंगी) वर्ष-2026 के शुभकामना परिवार के अधिवेशन के अवसर पर होगी।
10. विजेताओं का पुरस्कार उनके द्वारा दिये गये पते पर कोरियर द्वारा नि:शुल्क भेजा जायेगा।

कोरियर/डाक द्वारा प्रतियोगिता मंगाने/उत्तर भेजने का पता

(कोरियर चार्ज देना होगा)

श्री सुरेन्द्र कुमार जैन (गैस वाले)

निकट जैन मन्दिर, मदनपुरी कॉलोनी, चिलकाना रोड

सहारनपुर-247001 (उ.प्र.), मो.: 9368779355

व्हाट्सअप द्वारा प्रतियोगिता मंगाने/ उत्तर भेजने का नम्बर

श्री विकास जैन (चिलकाना वाले), सहारनपुर-247001 (उ.प्र.)

मो.: 8410120127

प्रतियोगिता ऑनलाईन www.munisuvratswastidham.com पर भी उपलब्ध है।

आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी प्रश्नमाला 2025

1	उदयपुर में आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने कब चौमास किया ?			
	1 1933	2 1934	3 1935	4 1936
2	वर्ष 1936 का चौमास आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने कहाँ किया ?			
	1 माउन्ट आबू	2 तारंगा	3 ईडर	4 मुम्बई
3	वर्ष 1937 का चौमास आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने कहाँ किया ?			
	1 गोलाकोट	2 गलियाकोट	3 रामटेक	4 नागपुर
4	पारसोला में आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने चौमास कब किया था ?			
	1 1938	2 1939	3 1940	4 1941
5	भिंडर में आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने चौमास कब किया था ?			
	1 1938	2 1939	3 1940	4 1941
6	तलौद में आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने चौमास कब किया था ?			
	1 1938	2 1939	3 1940	4 1941
7	वर्ष 1941 में आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने चौमास कहाँ किया था ?			
	1 शौरिपुर	2 सोनागिर	3 ग्वालियर	4 ऋषभदेव
8	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी का अन्तिम चौमास कहाँ हुआ था ?			
	1 नागपुर	2 सलुम्बर	3 आगरा	4 नासिक
9	पीठ गाँव में आपकी वाणी सुनकर कौन शाकाहारी हो गये ?			
	1 17 आदिवासी+4 राजपूत	2 5 जाट +6 गुज्जर	3 8 वनवासी + 5 मुस्लिम	4 2 ब्राहमण+ 3 बंजारा
10	तारंगा पंचकल्याणक में आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने किस दूसरे संघ के साधु को आचार्य पद दिया ?			
	1 मुनि देशभूषण	2 मुनि कुलभूषण	3 मुनि वारिषेण	4 मुनि कुंथु सागर
11	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने आचार्य श्री कुंथु सागर जी के साथ कहाँ चौमास किया था ?			
	1 तारंगा	2 ईडर	3 ऋषभदेव	4 परतापुर
12	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी के अन्तिम समय में कौन से मुनि उनके समीप थे ?			
	1 मुनि वीर सागर	2 मुनि नेमिसागर	3 मुनि धर्म सागर	4 मुनि मल्लिसागर
13	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने अपना स्वास्थ्य ठीक न जानकर किसको बुलाने के लिए कहा था ?			
	1 मुनि नेमिसागर जी	2 मुनि मल्लिसागर जी	3 क्षुल्लक धर्मसागर जी	4 आ. कुंथु सागर जी
14	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी के एक शिष्य का नाम है ?			
	1 प्रमुख सागर जी	2 अरुण सागर जी	3 तरुण सागर जी	4 मल्लि सागर जी
15	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी के प्रवचनो की पुस्तक का नाम क्या है ?			
	1 भेद विज्ञान	2 प्रवचन	3 ज्ञान की खोज	4 आगम की खोज
16	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी के दर्शन करने कौन राजा 6 किमी पैदल चलकर आये ?			
	1 महाराजा प्रताप सिंह	2 राजा महेन्द्र प्रताप	3 महाराजा उम्मेदमल	4 राजा भानु प्रताप
17	सन् 1924 का चौमास मुनि श्री शान्तिसागर जी ने कहाँ किया ?			
	1 ईडर	2 परतवाडा	3 भोपाल	4 इंदौर
18	मुनि श्री शान्तिसागर जी ने प्रथम ऐलक दीक्षा कहाँ दी ?			
	1 इंदौर	2 उज्जैन	3 ललितपुर	4 उदयपुर
19	मुनि श्री शान्तिसागर जी ने प्रथम एलक दीक्षा किसको दी ?			
	1 हजारीमल पोरवाल	2 हुकुमचन्द	3 माणिकलाल	4 रुपचंद
20	मुनि श्री ने श्री ने प्रथम दीक्षित एलक को क्या नाम दिया ?			
	1 ज्ञानसागर	2 वीरसागर	3 सूर्यसागर	4 सन्मति सागर

21 मुनि श्री के समय निकलने वाली एक प्रमुख जैन पत्रिका का नाम था ?

1 स्वस्ति संदेश 2 महिलादर्श 3 सिद्धशिला 4 विजय पताका

22 मुनि श्री शान्तिसागर जी ने प्रथम मुनि दीक्षा किसको दी ?

1 एलक सूर्यसागर 2 ज्ञानसागर 3 क्षु पन्नालाल 4 वीरसागर

23 मुनि श्री शान्तिसागर जी ने प्रथम मुनि दीक्षा कहाँ दी ?

1 इंदौर 2 हाटपीपल्या 3 केसरिया जी 4 पपौरा जी

24 सेठ अभिनन्दन प्रसाद के बगीचे में मुनि श्री शान्तिसागर जी ने क्या करवाया ?

1 शान्ति विधान 2 मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा 3 महिला सम्मेलन 4 विद्वत सम्मेलन

25 मुनि श्री शान्तिसागर जी ने सुवालाल का क्षुल्लक अवस्था का नाम क्या रखा ?

1 ज्ञानसागर 2 आनन्द सागर 3 वीर सागर 4 ज्ञेय सागर

26 मुनि श्री शान्तिसागर जी ने प्रथम मुनि दीक्षा कब दी ?

1 02.11.1920 2 10.10.1930 3 18.06.1923 4 02.11.1924

27 मुनि शान्तिसागर जी से सितरी ग्राम में किसने ब्रहमचर्य व्रत लिया ?

1 प. रुपचंद जी 2 कुँवर विजय सिंह जी 3 भागचन्द जी 4 गुलाबचन्द जी

28 कहाँ की मुस्लिम शासक ने मुनियों के विहार पर लगी रोक हटा दी ?

1 बनेडिया 2 भेलसा 3 नीमच 4 अमरावती

29 भेलसा में कौनसे साधु मुनि श्री शान्तिसागर जी के साथ आकर मिल गये ?

1 ज्ञान सागर 2 सुमति सागर 3 आनन्द सागर 4 सन्मति सागर

30 क्षुल्लक ज्ञान सागर जी को एलक दीक्षा और बाद में मुनि दीक्षा कहीं दी गई ?

1 उज्जैन में 2 इंदौर में 3 विदिशा में 4 भोपाल में

31 भोपाल में मुनि श्री की प्रेरणा से किस पशु की जान बचाई गई ?

1 बैल 2 बकरी 3 बिल्ली 4 गाय

32 सुजालपुर में मुनि श्री शान्तिसागर जी की प्रेरणा से किसकी स्थापना हुई ?

1 जैन पाठशाला 2 जैन धर्मशाला 3 जैन अस्पताल 4 जैन भोजनशाला

33 अतिशय क्षेत्र बजरंगढ़ में मुनि श्री शान्तिसागर जी कितने दिन रुके ?

1 15 दिन 2 5 दिन 3 10 दिन 4 20 दिन

34 मुनिश्री पर बडवाणी में हुये उपसर्ग में क्या चमत्कार हुआ ?

1 मोटर कार की मशीनरी टूट गई 2 केसर की वर्षा हुई 3 पशु अपने आप रुक गये 4 अग्नि खुद से बुझ गयी

35 पछाड़ गाँव में कौनसे विद्वान आपके दर्शन को आये ?

1 प.कस्तूर चन्द 2 प. रुपचन्द 3 प.अमीन चन्द 4 प.सुरेश चन्द

36 अचलगढ से मुंगावली विहार करते समय क्या अतिशय हुआ ?

1 केसर वर्षा 2 चंदन की खुशबु 3 बैलो का दौडता झुंड शांत हो गया 4 लंगडा दौडने लगा

37 छाणी गाँव के मूलनायक भगवान कौन है ?

1 श्री महावीर भगवान 2 श्री आदिनाथ भगवान 3 श्री सम्भवनाथ भगवान 4 श्री शान्तिनाथ भगवान

38 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी का जन्म स्थान कहां है ?

1 बासंवाडा 2 डुंगरपुर 3 ईडर 4 छाणी

39 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी की जन्म तारिख क्या है ?

1 31.10.1888 2 01.11.1999 3 10.09.1896 4 31.10.1898

40 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी का समाधि स्थान कहाँ है ?

1 सागवाडा 2 इंदौर 3 उदयपुर 4 ललितपुर

41 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी जी की समाधि किस तारीख में हुई ?

1 17.05.1938 2 17.05.1944 3 07.06.1895 4 27.05.1955

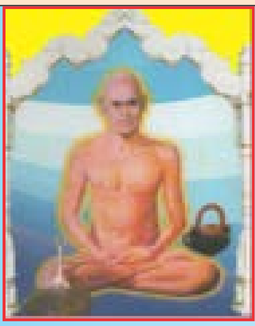

आचार्यश्री 108 शान्तिसागर महाराज (छाणी) जी
के
आचार्य पदारोहण शताब्दी-वर्ष
के शुभावसर पर कोटिशः नमोऽस्तु नमोऽस्तु नमोऽस्तु

स्वस्ति धाम महिला मण्डल, जहाजपुर

संयोजिका : श्रीमती अन्तिमा जैन, श्रीमती अंजू जैन

42 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी का गृहस्थ नाम क्या था ?

1 मोहनदास	2 शान्तिसागर	3 केवलदास	4 पूरणमल

43 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी के माता-पिता कौन थे ?

1 माणिकबाई भागचंद	2 गुणमाला रत्नचंद	3 उषाताई माणिकशाह	4 सरोजबाई ताराचंद

44 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी की क्षुल्लक दीक्षा कहाँ हुई ?

1 ग्राम सीकरी	2 ग्राम पटनी	3 ग्राम रामपुर	4 ग्राम गढ़ी

45 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी की मुनि दीक्षा कब हुई ?

1 23.09.1923	2 15.08.1947	3 26.01.1915	4 18.11.1925

46 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी की मुनि दीक्षा किस स्थान पर हुई ?

1 डुंगरपुर	2 बांसवाड़ा	3 सांगवाड़ा	4 केसरिया जी

47 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी को आचार्य पद कहाँ दिया गया ?

1 तिजारा जी	2 गिरडीह	3 शिखर जी	4 मुक्तागिरी

48 केवलदास जी को विरक्ति किस कारण से हुई ?

1 तीर्थ वंदना	2 नेमि-राजुल विवाह प्रसंग	3 साधु दर्शन	4 देव दर्शन

49 केवलदास जी ने आजीवन अविवाहित रहने का नियम कहाँ लिया ?

1 वहलना जी	2 शिखर जी	3 ब्यावर	4 केसरिया जी

50 केवलदास जी ने ब्रह्मचर्य व्रत कब लिया ?

1 18.02.1920	2 01.01.1999	3 07.03.1938	4 26.07.1930

51 केवलदास जी ने ब्रह्मचर्य व्रत कहां लिया था ?

1 राजगृही	2 कुण्डलपुर	3 पार्श्वनाथ टोंक	4 मधुबन

52 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी से दीक्षित एक मुनि का नाम है-

1 मल्लिसागर	2 गुप्तिसागर	3 विद्यासागर	4 प्रमुखसागर

53 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी के समकालीन एक संत का नाम है ?

1 आ. सन्मति सागर जी	2 आ. आदिसागर अंकलीकर	3 आ. ज्ञान सागर	4 आ. देशभूषण

54 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी की समाधि के समय उनसे दीक्षित साधुओं की लगभग संख्या थी-

1 40	2 35	3 75	4 50

55 केवलदास जी की एक बहन का नाम क्या है ?

1 चम्पाबाई	2 फूलबाई	3 पदमाबाई	राजकुमारी

56 केवलदास जी के पिताजी क्या करते थे ?

1 किसान	2 मिस्त्री	3 मजदूरी	4 महाजन

57 केवलदास ने पशुओं को खिलाने वाला बाँटा कितने दिन से अधिक न पीसवाने का नियम गाँव में दिलवाया ?

1 15 दिन	2 10 दिन	35 दिन	4 20 दिन

58 गढी गाँव में आपको दिखाई दिये पाँच स्वपन में से एक स्वपन है ?

1 मुनि संघ	2 पुष्पो की माला	3 काष्ठ कमण्डल	4 चारा खाती गाय

59 ब्रह्मचारी केवलदास जी ने क्षुल्लक दीक्षा कहाँ ली ?

1 छाणी में	2 गढ़ी में	3 बांकानेर में	4 परतापुर में

60 ब्र. केवलदास ने क्षुल्लक दीक्षा इनके समक्ष ली ?

1 भगवान	2 समाज	3 एलक पन्नालाल	4 किसी के नही

61 ब्र. केवलदास का क्षुल्लक शान्तिसागर नाम किसने रखा ?

1 समाज ने	2 प. रुपचन्द ने	3 स्वयं ने	4 एलक पन्नालाल ने

62 ब्र. केवलदास अपने प्रवचन किस भाषा में देते थे ?

1 प्राकृत भाषा	2. कन्नड भाषा	3 गुजराती भाषा	4 बागड़ भाषा

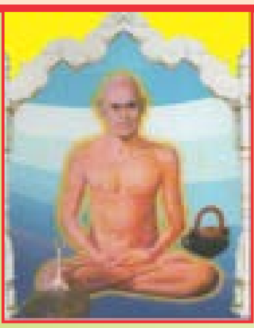

आचार्यश्री 108 शान्तिसागर महाराज (छाणी) जी
के
आचार्य पदारोहण शताब्दी-वर्ष
के शुभावसर पर कोटिशः नमोऽस्तु नमोऽस्तु नमोऽस्तु

शुभकामना परिवार – स्वस्ति शाखा, नोएडा, संयोजिका – श्रीमती नुपूर जैन

शुभकामना परिवार – जिनधर्म शाखा,नोएडा
संयोजिका– श्रीमती वर्षा जैन

शुभकामना परिवार – जिनधर्म प्रभावना शाखा, नोएडा
संयोजिका–श्रीमती विजया जैन

63 क्षुल्लक अवस्था के 1 वर्ष पूर्ण होने पर आप कहाँ पहुँचे ?

1 छाणी | 2 शिखर जी | 3 ईडर | 4 केसरिया जी

64 क्षुल्लक शान्तिसागर जी का प्रथम चर्तुमास कहाँ हुआ ?

1 परसौल | 2 परतापुर | 3 सोनागिर | 4 बजरंगगढ

65 केवलदास जी का धर्मप्रचार का मुख्य क्षेत्र कौन सा रहा ?

1 बुंदेलखण्ड | 2 मेवात क्षेत्र | 3 मालवा क्षेत्र | 4 बागड क्षेत्र

66 केवलदास जी ने समाज सुधार में मुख्य जोर किस विषय पर दिया ?

1 स्त्री शिक्षा | 2 बाल विवाह | 3 रोजगार | 4 तीर्थ यात्रा

67 केवलदास जी ने समाज सुधार के लिए किस कुप्रथा का पुरजोर विरोध किया ?

1 मृत्यु भोज | 2 बाल विवाह | 3 बहु विवाह | 4 पर्दा प्रथा

68 सन् 1923 का चौमास क्षुल्लक शान्तिसागर जी ने कहाँ किया ?

1 बासवाडा | 2 सागवाडा | 3 फगवाड़ा | 4 भीलवाड़ा

69 क्षुल्लक शान्तिसागर जी ने मुनि दीक्षा कौन सी तारीख में ली ?

1 23.09.2023 | 2 25.10.1938 | 3 23.09.1923 | 4 11.01.1938

70 क्षुल्लक शान्तिसागर जी के मुनि दीक्षा लेने वाले दिन की क्या विशेषता थी ?

1 श्रुत पंचमी | 2 अनन्त चतुदर्शी | 3 अक्षय तीज | धूप दशमी

71 मुनि दीक्षा लेने के पूर्व क्षुल्लक श्री शान्तिसागर जी क्या कर रहे थे ?

1 आहार | 2 प्रतिक्रमण | 3 स्वाध्याय | 4 धूप दशमी

72 क्षुल्लक श्री शान्तिसागर जी ने किसको साक्षी मानकर मुनि दीक्षा ली ?

1 समाज | 2 जिनेन्द्र भगवान | 3 स्वर्णभद्र कूट | 4 सिमंधर स्वामी

73 मुनि बनने पर क्षुल्लक शान्तिसागर ने अपना नाम क्या रखा ?

1 मुनि शान्तिसागर | 2 मुनि ज्ञान सागर | 3 मुनि सूर्य सागर | 4 मुनि वीर सागर

74 सागवाड़ा समाज का अध्यक्ष कितने समाज का अध्यक्ष कहलाता है ?

1 18000 हूमड समाज | 2 15000 जैन समाज | 3 11000 सर्व समाज | 4 16000 सनातन समाज

75 मुनि शान्तिसागर जी ने प्रथम केशलोंच कब किया ?

1 21.11.1925 | 2 31.01.1923 | 3 31.10.1923 | 4 11.11.1924

76 अचानक मुनि बनने के बाद समाज ने आपसे क्या निवेदन किया ?

1 आचार्य बनने का | 2 पुन: क्षुल्लक बनने का | 3 उपाध्याय बनने का | 4 गृहस्थ बनने का

77 केवलदास जी को मुनि दीक्षा की रात्रि में पाँच स्वप्नों में से एक स्वप्न क्या दिखा ?

1 बैलो का जोडा | 2 गज मोती की माला | 3 भागती गाय | 4 कमलो से भरा सरोवर

78 मुनि शान्तिसागर जी ने किस आश्रम की स्थापना सागवाड़ा में करवाई ?

1 वृद्ध आश्रम | 2 श्राविका आश्रम | 3 अनाथ आश्रम | 4 बाल आश्रम

79 सागवाड़ा समाज ने श्राविका आश्रम का नाम क्या रखा ?

1 मुनि शान्तिसागर श्रविका आश्रम | 2 ब्राहमी श्राविका आश्रम | 3 मणिबाई श्रविका आश्रम | 4 महावीर श्राविका आश्रम

80 सागवाड़ा के पास से आदिवासियो को कौनसे भगवान की मूर्ति प्राप्त हुई थी ?

1 आदिनाथ भगवान | 2 शान्तिनाथ भगवान | 3 पार्श्वनाथ भगवान | 4 महावीर भगवान

81 मुनि दीक्षा के पश्चात चातुर्मास समाप्ति पर पहला विहार कहाँ के लिए हुआ ?

1 ईडर | 2 बांसवाडा | 3 सितरी ग्राम | 4 मण्डौला ग्राम

82 मुनि श्री शान्तिसागर जी का स्वागत मुस्लिमों ने कहाँ पर किया ?

1 औरगांबाद | 2 होशंगाबाद | 3 मौजम्माबाद | 4 धनबाद

83 नेमिनाथ वैराग्य प्रसंग किसके द्वारा केवलदास को सुनाया गया ?

1 पं. रुपचन्द जी | 2 बहनोई गुलाबचंद जी | 3 बहन रत्नबेन जी | 4 माता माणिकबाई जी

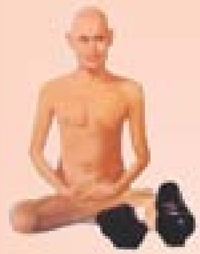

योगी सम्राट आचार्यश्री
शान्तिसागर जी महाराज (छाणी)

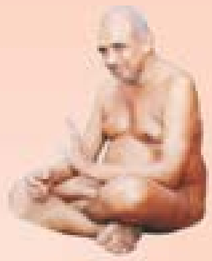

सराकोद्धारक आचार्यश्री
ज्ञानसागर जी महाराज

के शुभावसर पर

कोटिशः नमोऽस्तु नमोऽस्तु नमोऽस्तु

परम्परा गौरव तपोनिधि **आचार्य श्री शान्ति सागर जी महाराज** (छाणी) के **आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष 2026** पर षष्टम् पट्टाचार्य **आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज** के मंगल आशीर्वाद एवं प्रेरणा से स्थापित प्रथम प्रतिनिधि संस्था **आचार्य शान्ति सागर (छाणी) स्मृति ग्रन्थ माला कमेटी**, बुढ़ाना (मु. नगर) उ.प्र. गुरुजनों के पावन चरणों में कोटि-कोटि नमन/नमोऽस्तु करते हुये पूजनीय गुरु **माँ स्वस्ति भूषण माता जी** की पावन प्रेरणा से शताब्दी वर्ष को भव्यता एवं तन्मयता से मनाने हेतु प्रतिबद्ध हैं।

1.	श्री राजेन्द्र कुमार जैन	संरक्षक	9927053058
2.	श्री गुणमाल जैन	संरक्षक	9410418345
3.	श्री महेश चन्द जैन	संरक्षक	9410448478
4.	श्री नवीन कुमार जैन	सदस्य	9412582713
5.	श्री सुरेन्द्र कुमार जैन	सदस्य	9411450722
6.	श्री दिनेश कुमार जैन (टाटो)	सदस्य	9997854608
7.	श्री विकास कुमार जैन	सदस्य	8384860626
8.	श्री पीपन कुमार जैन	सदस्य	9410414527
9.	श्री नीरज कुमार जैन (मेरठ)	सदस्य	9412206023

विपुल कुमार जैन
अध्यक्ष
9897100883

नरेन्द्र कुमार जैन
महामंत्री
9411030092

दीपन कुमार जैन
कोषाध्यक्ष
9412807626

84	केवलदास ने कितनी उम्र में जीवन यापन के लिए नौकरी प्रारम्भ की ?			
	1 20 वर्ष	2 15 वर्ष	3. 18 वर्ष	4 25 वर्ष
85	केवलदास किससे गाँव में स्वाध्याय करते, शास्त्र सुनते थे ?			
	1 प. प्रेमचंद	2. प. श्रेयांसमल	3 प. सुरेश कुमार	4 प. रुपचंद
86	केवलदास ने सबसे पहले कौन से तीर्थ की वंदना की ?			
	1 केसरिया जी	2 कुण्डलपुर	3 गोमटेश्वर	4 शिखर जी
87	राजस्थान में आखातीज पर क्या होता था ?			
	1 मेला आयोजन	2 खेल आयोजन	3 बाल विवाह	4 गंगा स्नान
88	केवलदास को खाने में क्या पंसंद था ?			
	1 हलवा	2 मक्का रोटी	3 चावल	4 उदड दाल
89	केवलदास जी के मुम्बई के किस रिश्तेदार ने उनको शास्त्र भेंट किये ?			
	1 लल्लू भाई	2 मोतीलाल	3 देवीलाल	4 अजीतभाई
90	मुम्बई के रिश्तेदारो ने उनको कौनसे शास्त्र जी भेंट किये ?			
	1 समयसार	2 भगवती आराधना	3 विषापहार	4 पदमपुराण
91	गढी समाज में केवलदास जी ने कौनसा विधान करवाया ?			
	1 कल्पद्रुम विधान	2 सिद्धचक्र विधान	3 शान्ति विधान	4 अढ़ाई द्वीप मण्डल विधान
92	किस रेलवे स्टेशन पर आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी के दर्शनार्थ आने वाली भारी भीड़ के कारण दूसरी टिकट खिड़की बनवानी पड़ी ?			
	1 झांसी	2 अजमेर	3 ललितपुर	4 भोपाल
93	सिद्ध क्षेत्र सिद्धवर कूट में कौन अपने परिवार के साथ आपके दर्शन को आया ?			
	1 सेठ कल्याणमल जी	2 सेठ हुकुमचंद जी	3 सेठ समीरमल जी	4 सेठ गेंदामल जी
94	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी के समकालीन आ.श्री आदिसागर का जन्म कहाँ हुआ था ?			
	1 छाणी ग्राम	2 पटनी ग्राम	3 पोखरा ग्राम	4 अंकली ग्राम
95	गोरखपुर के बाहर मुनि श्री शान्तिसागर जी किसके बगीचे में ठहरे थे ?			
	1 सेठ अभिनन्दन प्रसाद	2 सेठ हुकुम चन्द	3 सेठ अजित प्रसाद	4 सेठ रुपचन्द
96	आचार्य श्री सूर्यसागर जी द्वारा रचित प्रसिद्ध ग्रंथ का नाम क्या है ?			
	1 सूर्य प्रकाश	2 संयम प्रकाश	3 आत्म प्रकाश	4 ज्ञान प्रकाश
97	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी के दूसरे पट्टाचार्य का नाम क्या है ?			
	1 आ. सुमति सागर	2 आ. सूर्य सागर	3 आ. विजय सागर	4 आ. विमल सागर
98	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी परम्परा के तीसरे पट्टाचार्य का नाम क्या है ?			
	1 आ. सुमति सागर	2 आ. सूर्य सागर	3 आ. विजय सागर	4 आ. विमल सागर
99	आचार्य श्री विमल सागर जी भीण्ड वाले किस नाम से प्रसिद्ध हुए ?			
	1 पीरोठ वाले	2 प्रसन्नमना	3 तप सम्राट	4 अर्न्तमुखी
100	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी द्वारा लिखित कृति है ?			
	1 पद्म पुराण	2 मूलाराधना	3 शान्ति की खोज	4 आत्मसम्मान
101	आचार्य ज्ञान सागर जी की प्रेरणा से परम्परा के पूर्व पांच आचार्यों की चरण पादुकाएं कहां स्थापित हुई ?			
	1 ज्ञान तीर्थ	2 सोनागिर	3 सिहोनियां	4 टीकटोली
102	आचार्य श्री ज्ञान सागर जी की प्रेरणा से आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी पर प्रकाशित एक कृति का नाम क्या है ?			
	1 शान्ति के अग्रदूत	2 मुक्ति का राही	3 समाज उद्धारक	4 संयम प्रकाश
103	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी परम्परा के पंचम पट्टाचार्य कौन थे ?			
	1 आ. ज्ञान सागर जी	2 आ. सन्मति सागर जी	3 आ. ज्ञेय सागर जी	4 आ. विजय सागर जी
104	आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी परम्परा के वर्तमान पट्टाचार्य कौन हैं ?			
	1 आ. ज्ञान सागर जी	2 आ. सन्मति सागर जी	3 आ. ज्ञेय सागर जी	4 आ. विजय सागर जी

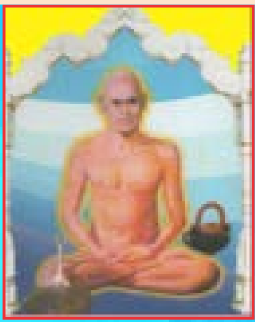

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

परम पूज्या आर्यिका श्री 105 प्रशममती माता जी

आचार्यश्री 108 शान्तिसागर महाराज (छाणी) जी
के
आचार्य पदारोहण शताब्दी-वर्ष
के शुभावसर पर कोटिशः नमोऽस्तु नमोऽस्तु नमोऽस्तु

परम पूज्या आर्यिका श्री105 प्रशममती माता जी के गृहस्थ-जीवन के परिजन

श्री सुनील कुमार जैन (कुरावली) जिला मैनपुरी

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष- शुभकामना परिवार राष्ट्रीय कार्यकारिणी

105 बामोर में किस पशु को मुनि श्री शान्तिसागर जी ने अभय दान दिया ?
1 बैल 2 बकरा 3 गाय 4 बन्दर

106 बीना में मुनि श्री शान्तिसागर जी के केशलोंच में कितने श्रावक उपस्तिथ हुए ?
1 5000 2 10000 3 15000 4 20000

107 बाला बेहट में किसने मुनि श्री शान्तिसागर जी से ब्रहमचर्य व्रत लिया ?
1 मोहनदास 2 हरिप्रसाद 3 माणिकशाह 4 दामोदर

108 सन् 1926 का चौमास मुनि श्री शान्तिसागर जी ने कहां किया ?
1 धनबाद 2 इसरी 3 गिरडिह 4 पालगंज

109 टीकमगढ़ के राजा ने आपको कहाँ ठहराया ?
1 उद्यान में 2 महल में 3 मन्दिर में 4 दरबार में

110 देवगढ़ में मुनि श्री शान्तिसागर जी के द्वारा क्या अतिशय हुआ ?
1 पानी निकलने लगा 2 दूध की धारा प्रवाहित हुई 3 प्रतिमा हल्की हो गई 4 घंटे बजने लगे

111 छाणी गाँव के महावीर मन्दिर के पंचकल्याणक किसने करवाये थे ?
1 आचार्य श्री शान्ति सागर जी 2 भट्टारक यशकीर्ति जी 3 आचार्य श्री आदिसागर जी 4 भट्टारक चारुकीर्ति जी

112 मुनि श्री के चौमास के समय ललितपुर में जैन परिवारो की संख्या कितनी थी ?
1 100 2 200 3 300 4 400

113 आपने प्रतापगढ़ समाज को क्या नियम दिलवाया ?
1 बाल विवाह न करना 2 रात्री भोजन त्याग 3 मृत्यु भोज न देना 4 छना पानी पीना

114 मुनिश्री की प्रेरणा से प्रतापगढ़ के सरस्वती भण्डार के लिए कितना धन एकत्रित हुआ ?
1 1000रु 2 500रु 3 800रु 4 700रु

115 छाणी गाँव के लोग केवलदास को किस दूसरे नाम से पुकारते थे ?
1 मुनीम जी 2 गोलू 3 सेवक जी 4 भगत जी

116 इंदौर में मुनि श्री शान्तिसागर जी का प्रथम आहार कहाँ हुआ था ?
1 सेठ समीरमल जी के घर 2 नसियाँ जी पर 3 सेठ हुकुमचंद के शीशमहल पर4 धूलीबाई जी के घर

117 1927 वर्ष का चौमास कहाँ सम्पन्न हुआ ?
1 परतापुर 2 सहारनपुर 3 रामपुर 4 कुण्डलपुर

118 सेठ हुकुमचंद जी घर पर आहारचर्या पर श्री शान्तिसागर श्राविका आश्रम के लिए कुल कितना धन एकत्रित हुआ ?
1 15000रु 2 7000रु 3 8000 रु 4 10000रु

119 ललितपुर में भक्तों की भारी भीड़ के कारण कहाँ पर एक छोटा सा तालाब बन गया ?
1 क्षेत्रपाल मन्दिर 2 रेलवे स्टेशन 3 सेठ मथुरादास टढैया 4 बस स्टैन्ड

120 बडवाणी में मुनिश्री पर क्या उपसर्ग हुआ ?
1 तैतया के झुंड ने काट लिया 2 पशुओं के झुंड ने टक्कर मार दी
3 विधर्मियो ने मोटरकार चढ़ाने का प्रयास किया 4 तालाब में गिर गये

121 पछाड़ गाँव में आपने क्या खुलवाया ?
1 औषधालय 2 आहारशाला 3 कन्या विद्यालय 4 सन्त निवास

122 विधर्मियो ने बडवाणी में मुनि श्री पर उपसर्ग करने के बाद मुनिश्री के साथ क्या किया ?
1 उत्पात मचाया 2 इलाज कराया 3 भाग गये 4 क्षमा याचना की

123 लोहारदा में आपने पंगत से काहे का त्याग करवाया ?
1 जलेबी 2 बर्फी 3 दूध 4 दही

124 राणापुर में मुनिश्री किसके साथ विशेष धर्मचर्चा करते थे ?
1 सेठ हुकुमचंद से 2 घूलीबाई जी से 3 ज्ञानसागर से 4 मणिबाई जी से

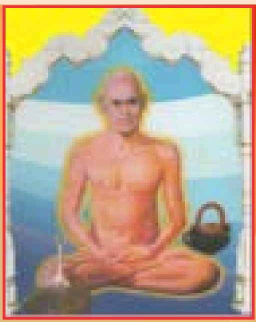

आचार्यश्री 108 शान्तिसागर महाराज (छाणी) जी

के

आचार्य पदारोहण शताब्दी-वर्ष

के शुभावसर पर कोटिशः नमोऽस्तु नमोऽस्तु नमोऽस्तु

श्री सूर्यप्रकाश छाबड़ा-कृष्णा, अनुज कुमार छाबड़ा-नीरू
मिलिन्द छाबड़ा-गुंजन, खुशी, काश्वि एवं समस्त छाबड़ा परिवार
न्यू लाईट कॉलोनी, जयपुर

मुख्य संयोजक- शुभकामना परिवार महानगर जयपुर

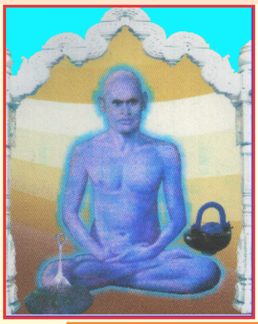

आचार्यश्री 108 शान्तिसागर महाराज (छाणी) जी के आचार्य पदारोहण
शताब्दी-वर्ष के शुभावसर पर कोटिशः नमोऽस्तु नमोऽस्तु नमोऽस्तु

Naresh PAPER BHANDAR

52, DSIIDC Sheds,Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110020, INDIA
Mob: +91-9810415629, +91-9899040250
Email : mail@nareshpaper.com

We are dealers and stockists offering a complete range of printing and packaging materials.
Our product line includes Pregummed Sheets in paper and films, Synthethic Papers, Pasting and Lamination Adhesives, Double-Sided Tapes, Offset Printing Inks, Printing Chemicals and related ancillaries.

DEALERS & STOCKISTS :

AROFINE POLYMERS PRIVATE LIMITED · SIEGWERK · PROTACK® Self Adhesive Labels · COSMO FILMS · AVERY DENNISON · TechNova · Sunglo® · Sunsui Solvent Tapes · Pidilite · 3M · PRINTO™ · Wonder TISSUE TAPES

UNIQUE LABELS

PROTACK®

Your Vision | Our label Stock Solutions

We specializes in **Self-adhesive Label** materials in paper and films, designed with a strong focus on innovation, reliability, and performance.
Our products cater to diverse sectors including **FMCG, Pharmaceuticals, Logistics, Automobiles** and other Industrial Applications.

46 & 56, Block-B, Sector-88, Noida 210305, Uttar Pradesh, INDIA
Mob.: +91-9810415629, +91-9899040250
E-mail : mail@uniquelabels.in | **Web** : www.uniquelabels.in

प्रतियोगिता के आकर्षक पुरस्कार प्रदाता

श्री नरेश कुमार जैन (पहाड़िया)

सरिता विहार, नई दिल्ली-110076

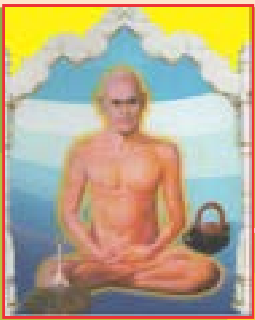

आचार्यश्री 108 शान्तिसागर महाराज (छाणी) जी के आचार्य पदारोहण
शताब्दी-वर्ष के शुभावसर पर कोटिशः नमोऽस्तु नमोऽस्तु नमोऽस्तु

Vardhman Enterprises

We're a
PRINTING
Agency

vardhmanenterprises21@gmail.com
9958317677
vardhmanenterprises.org
179&180 DSIDC Sheds Okhla Ind. Area Ph-1, New Delhi -110020

You Imagine
We Print

प्रतियोगिता के आकर्षक पुरस्कार प्रदाता

श्री विमल कुमार, श्री विशाल कुमार जैन (पाटनी)

सरिता विहार, नई दिल्ली-110076

125 केसरिया जी में मुनि श्री पर किस प्रकार उपसर्ग हुआ ?

1 पिच्छी चोरी हो गई 2 कमण्डल उठा लिया 3 वाहन ने टक्कर मार दी 4 गिर गये

126 केसरिया जी में मुनि श्री के अनशन के पश्चात क्या सरकारी फरमान आया ?

1 दिगम्बर साधु विहार नहीं करेंगे 2 दिगम्बर साधु देव दर्शन कर सकेंगे

3 दि. साधुओं से पिच्छी कमण्डल कोई नहीं लेगा 4 दिगम्बर मुनि आहार नहीं करेंगे

127 मुनि श्री शान्तिसागर जी बनेडिया जी में कितने दिन रुके ?

1 3 दिन 2 5 दिन 3 10 दिन 4 30 दिन

128 कुआला पंचकल्याणक में किसकी अध्यक्षता में महत्तवपूर्ण सभा का आयोजन किया गया ?

1 ब्र. रुपचंद 2 ब्र. गुलजारी लाल 3 ब्र. सोहनलाल 4 ब्र. चांदमल

129 कुआला पंचकल्याणक में बागड प्रांत में क्या कुप्रथा बंद करने का प्रस्ताव आया ?

1 स्त्री शिक्षा 2 कन्या विक्रय व मृत्यु भोज 3 बाल विवाह 4 पर्दा प्रथा

130 आचार्य श्री शान्ति सागर दि. जैन कन्या पाठशाला ललितपुर में वर्तमान की कौनसी आर्यिका को शिक्षा पाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था ?

1 आ. स्वस्ति भूषण माताजी 2 आ. दृढ़मति माताजी 3 आ. सरस्वती भूषण माताजी 4 आ.चन्द्रमति माताजी

131 क्षुल्लक दीक्षा के तत्काल बाद आपने कितने उपवास किये थे ?

1 10 2 20 3 30 4 15

132 केवलदास जी ने कौन सें विधान को सुनकर 108 दिन का व्रत लिया ?

1 नंदीश्वर द्वीप विधान 2 समोशरण विधान 3 शान्ति विधान 4 कल्पद्रुम विधान

133 केवलदास जी की किस आयु में उनकी माताजी का निधन हो गया था ?

1 32 वर्ष 2 24 वर्ष 3 21 वर्ष 4 29 वर्ष

134 शिखर जी की यात्रा के लिए केवलदास को उनके पिताजी ने कितने रुपये दिये थे ?

1 100 रु 2 5 रु 3 50 रु 4 20 रु

135 इन्दौर में उस समय किसकी तूती बोलती थी ?

1 सेठ हुकुमचन्द जी 2 सेठ गंगा प्रसाद 3 सेठ कल्याणमल 4 सेठ समीरमल

136 उस समय के दोनों महान आचार्यो श्री शान्ति सागर जी दक्षिण और उत्तर वालो का एक साथ चौमास कराने का सौभाग्य किस नगर को प्राप्त हुआ था ?

1 उदयपुर 2 अजमेर 3 जयपुर 4 ब्यावर

137 शिखर जी से ब्रहमचर्य व्रत लेकर लौटने के बाद केवलदास छाणी गाँव में कहाँ ठहरे थे ?

1 अपने घर 2 प.रुपचंद जी के घर 3 श्री महावीर मन्दिर 4 श्री संभवनाथ मन्दिर

138 प. रुपचन्द जी ने केवलदास जी को कौनसा ग्रंथ भेंट किया ?

प्रवचनसार 2 समयसार 3. रत्नकरण्ड श्रावकाचार 4 गोम्मटसार

139 केवलदास जी ने ब्रहमचारी दीक्षा लेते समय किसका आह्‌वान किया ?

1 समस्त तीर्थंकर का 2 श्री महावीर भगवान 3 सिद्धों का 4 किसी का नहीं

140 ब्र. केवलदास ने छाणी के आसपास कितने गाँवों का भ्रमण किया ?

1 16 गाँव 2 11 गाँव 3 19 गाँव 4 14 गाँव

141 ब्र.केवलदास जी ने किसके साथ गिरनार जी की यात्रा की थी ?

1 मित्र के साथ 2 बहनोई के साथ 3 पिताजी के साथ 4 किसी के साथ नही

142 गोरेला में ब्र. केवलदास को किसके दर्शन हुए ?

1 आ. शान्तिसागर दक्षिण 2 आ.आदिसागर अंकलीकर 3 एलक पन्नालाल 4 मुनि ज्ञानसागर

143 आचार्य श्री शान्तिसागर जी छाणी ने मडावरा में किसके साथ समयसार की विवेचना की ?

1 प. चांदमल जी 2 प. गुलजारी लाल 3 प.रुपचंद 4 प. कमल कुमार

144 मुनि श्री शान्तिसागर जी ने अपने श्री सम्मेद शिखर जी आगमन पर किस बात का विरोध किया ?

1 बैण्ड बाजे का 2 नाचने गाने का 3 हाथी लाने का 4 आरती करने का

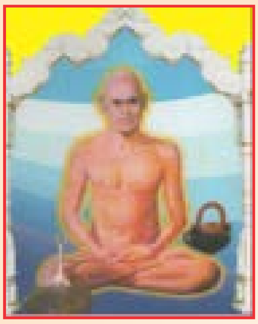

आचार्यश्री 108 शान्तिसागर महाराज (छाणी) जी
के
आचार्य पदारोहण शताब्दी-वर्ष
के शुभावसर पर कोटिशः नमोऽस्तु नमोऽस्तु नमोऽस्तु

प्रथम पुरस्कार-1
माइक्रोवेव

द्वितीय पुरस्कार-2
मिक्सर ग्राण्डर

तृतीय पुरस्कार-3
म्यूजिक सिस्टम

सांत्वना पुरस्कार-94
बैड शीट (सांगानेरी)

145 श्री सम्मेद शिखर जी मुनि श्री शान्तिसागर जी किसके साथ पहुँचे ?

1 क्षु.पन्नालाल | 2 मुनि श्री ज्ञान सागर | 3. ब्र. यशोधर | 4 मुनि श्री वीर सागर

146 महरौनी में कौनसे मुनियों का आपके संघ में मिलन हुआ ?

1 मु.आनंद सागर व सूर्य सागर | 2 मु. ज्ञानसागर व आनंद सागर | 3 मु. वीर सागर व क्षमा सागर | 4 मु.सूर्यसागर व निर्मल सागर

147 गिरडिह चौमास में आपके साथ दूसरे मुनि कौन थे ?

1 मुनिन्द्र सागर | 2 ज्ञान सागर | 3 सूर्य सागर | 4 अभिनन्दन सागर

148 गिरडिह चौमास में किसने मुनि श्री शान्तिसागर जी से प्रभावित होकर अपनी सम्पत्ती अपने बेटो में बांट दी ?

1 सेठ जीवनदास | 2 सेठ खेलसीदास | 3 मुनीम विमल कुमार | 4 खजांची लखीमचन्द

149 गिरडिह चातुर्मास में मुनि श्री शान्तिसागर जी से प्रभावित होकर, ये जैन धर्म के अनुयायी बन गये ?

1 सेठ खेलसीदास | 2 सेठ जीवनदास | 3 सेठ कालूराम मोदी | 4 सेठ भागचन्द

150 गिरडिह चौमास में आपने किस कृति की रचना की ?

1 सिद्धो की भूमि | 2 शिखर जी की लावणी | 3 वैराग्य भूमि | 4 मोक्ष मार्ग

151 मुनि श्री शान्तिसागर जी को आचार्य पद कहाँ मिला ?

1 शिखर जी | 2 हजारी बाग | 3 गिरडिह | 4 गुणावा

152 मुनि श्री को आचार्य पद कब मिला ?

1 वर्ष 1928 | 2 वर्ष 1926 | 3 वर्ष 1925 | 4 वर्ष 1927

153 आचार्य श्री शान्ति सागर जी किसके आचरण से आहत थे ?

1 मुनि ज्ञान सागर | 2 मुनि वीर सागर | 3 सेठ कालूराम मोदी | 4 सेठ खेलसीदास

154 कुण्डलपुर के जमींदार ने आचार्य श्री शान्ति सागर जी से क्या नियम लिया ?

1 वाहन त्याग | 2 रात्री भोजन | 3 आजीवन अहिंसा व छना पानी | 4 देव दर्शन व पूजन

155 आपके सानिध्य में गया पंचकल्याणक में कितनी धनराशी की बचत हुई ?

1 55000रु | 2 38000रु | 4 90000रु | 4 25000रु

156 इलाहाबाद में आचार्य श्री शान्ति सागर जी कहाँ रुके ?

1 हुकुमचन्द की धर्मशाला | 2 कुंथुलाल जैनी का बगीचा | 3 संगम घाट | 4 श्री आदिनाथ मन्दिर

157 करनी नगर में कौन आपके प्रवचन सुनकर जैनी बन गया ?

1 जाट परिवार | 2 सैनी बंधु | 3 पंजाबी परिवार | 4 अग्रवाल बंधु

158 इटावा में हलवाई ने क्या नियम लिया ?

1 जलेबी का त्याग | 2 दूध का त्याग | 3 रात्री में मिठाई न बनाना | 4 पनीर का त्याग

159 सारंगपुर में किसने जैन धर्म अंगीकार किया ?

1 हलवाई | 2 ब्राहमण वकील | 3 महाजन | 4 जाट पंसारी

160 इंदौर में मुनियों के विहार पर लगे प्रतिबंध को हटवाने में सेठ हुकुमचन्द के साथ किसकी मुख्य भूमिका रही ?

1 जिला कलेक्टर | 2 सेठ समीरमल जी | 3 सेठ कल्याणमल जी | 4 किसी की नहीं

161 परतापुर चौमास में आचार्य श्री शान्ति सागर जी ने कौनसी पुस्तक का संकलन किया ?

1 शान्ति की खोज | 2 श्रमण परम्परा | 3 शान्ति विलास संग्रह | 4 मोक्ष मार्ग

162 शान्ति विलास संग्रह में कितने सवैया व कितने दोहे है ?

1 500-500 | 2 1000-1000 | 3 500-1000 | 4 1000-500

163 1928 वर्ष का चौमास आचार्य श्री शान्ति सागर जी ने कहाँ किया ?

1 ईडर | 2 हजारीबाग | 3 ललितपुर | 4 टीकमगढ़

164 हाटपीपल्या में आपने किसको क्षुल्लक दीक्षा दी ?

1 आनन्द सागर | 2 कमल कुमार | 3 सुवालाल | 4 पन्नालाल

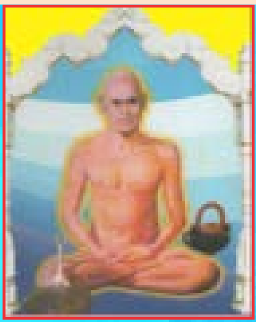

आचार्यश्री 108 शान्तिसागर महाराज (छाणी) जी

के

आचार्य पदारोहण शताब्दी-वर्ष

के शुभावसर पर कोटिशः नमोऽस्तु नमोऽस्तु नमोऽस्तु

सुनील जैनबन्धु, सिद्धार्थ ईवान जैन

राष्ट्रीय सदस्य- शुभकामना परिवार राष्ट्रीय कार्यकारिणी

जैनबन्धु निकेतन, 30/128, छिपीटोला, आगरा-282001, मो.: 9412264050, 8307814535

165 ईडर के समाज ने नये सरस्वती भण्डार का नाम क्या रखा गया ?
1 आ. श्री शान्तिसागर छाणी दि. जैन ग्रंथमाला 2 आ. श्री शान्तिसागर ज्ञान सदन
3 श्री महावीर ग्रन्थालय 4 सरस्वती प्रकाश भवन

166 इंडर के सरस्वती भण्डार में 17 ग्रंथ ताडपत्र पर किस भाषा में लिखे थे ?
1 गुजराती 2 तमिल 3 कन्नड 4 प्राकृत

167 ललितपुर चौमास में आपके नाम से काहे की स्थापना हुई ?
1 विद्यालय 2 पशुशाला 3 कन्या पाठशाला 4 सन्त निवास

168 बरुआ सागर में मुनि श्री शान्तिसागर जी के संघ में कौन सम्मलित हुआ ?
1 विद्यासागर 2 प्रमुख सागर 3 सुमति सागर 4 ज्ञान सागर

169 भिण्ड में आपकी प्रेरणा से क्या खोला गया ?
1 श्री शान्तिसागर श्राविका आश्रम 2 बालिका विद्यालय 3 औषधालय 4 श्री शान्तिसागर धर्मशाला

170 इटावा में मुनि श्री शान्तिसागर जी की प्रेरणा से क्या बना ?
1 कन्या पाठशाला 2 मन्दिर 3 वृद्ध आश्रम 4 सन्त निवास

171 कानपुर में मुनि श्री शान्तिसागर जी से प्रश्न कौन पूछते थे ?
1 सनातन समाजी 2 आर्य समाजी 3 ब्रहम समाजी 4 कबीर पन्थी

172 कानपुर में मुनि श्री शान्तिसागर जी ने किसको जैनेश्वरी दीक्षा दी ?
1 प्रमाण सागरजी 2 सुधा सागर जी 3 आनन्द सागर जी 4 मुनीन्द्र सागर जी

173 गोरखपुर विहार करते समय आपने धीवरो से किसकी रक्षा की ?
1 कबूतर 2 मोर 3 मछलियों 4 कुत्ता

174 आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी के प्रथम पट्टाचार्य का नाम क्या था ?
1 आ.सूर्य सागर 2 आ.वीर सागर 3 आ. सुमति सागर 4 आ.विद्या सागर

175 ईडर चौमास में आप मुख्यत: किस भाषा में प्रवचन करते थे ?
1 बागड़ी 2 बुन्देली 3 मागधी 4 गुजराती

176 सेठ अभिनन्दन प्रसाद के बगीचे में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कितने रथ सम्मलित हुए थे ?
1 5 रथ 2 10 रथ 3 13 रथ 4 18 रथ

177 सेठ अभिनन्दन प्रसाद जी ने मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कितनी दानराशी दी ?
1 5000 रु 2 10000 रु 3 12000 रु 4 15000 रु

178 सेठ अभिनन्दन प्रसाद जी के बगीचे में मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुनि श्री शान्तिसागर जी ने किसको एलक दीक्षा दी ?
1 एलक धीर सागर 2 एलक समर्पण सागर 3 एलक वीर सागर 4 एलक परमानन्द

179 किस ब्रहमचारी ने आचार्य श्री शान्तिसागर जी का जीवन चरित्र लिखा था ?
1 भगवान दास अग्रवाल 2 मोहन दास मित्तल 3 कर्मचन्द गाँधी 4 धीरुभाई मेहता

180 गया की ओर विहार करते समय मुनि संघ पर क्या उपसर्ग आया ?
1 जानवरो ने हमला किया 2 मुस्लिमो ने मारने का प्रयास किया 3 ओला वृष्टि 4 बाढ़ में फंस गये

181 गया की ओर विहार करते समय आया उपसर्ग कैसे दूर हुआ ?
1 मुनि संघ पलायन कर गया 2 मुनि संघ ने क्षमा याचना की 3 ध्यान में लीन हो गये 4 समाज ने प्रतिकार किया

182 गया नगर में मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा क्यो नहीं हो पा रही थी ?
1 जमीन नहीं थी 2 घन का अभाव 3 सरकारी अनुमति नहीं थी 4 समाजिक झगड़े

183 श्री सम्मेद शिखर जी में कितने वर्षो के बाद किसी मुनि का आगमन हुआ था ?
1 150 वर्ष 2 55 वर्ष 3. 101 वर्ष 4 128 वर्ष

184 ईडर चौमास के बाद आचार्य श्री शान्ति सागर जी ने किस प्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र के दर्शन किये ?
1. गिरनार 2 तारंगा 3 पालीताणा 4 रणकपुर

185 1929 वर्ष का चौमास आचार्य श्री शान्ति सागर जी ने कहाँ किया ?

1 सागवाडा 2 परतवाडा 3 बांसवाडा 4 भीलवाड़ा

186 वर्ष 1930 का चौमास आचार्य श्री शान्ति सागर जी ने कहाँ पर किया ?

1 बीना 2 गुना 3 सागर 4 इंदौर

187 वर्ष 1931 का चौमास आचार्य श्री शान्ति सागर जी ने कहाँ पर किया ?

1 बीडर 2 ईडर 3 जबलपुर 4 मथुरा

188 तारंगा जी में काहे का उद्घाटन हुआ ?

1 आचार्य श्री शान्ति सागर संत भवन 2 आचार्य श्री शान्ति सागर छाणी आश्रम

3 आचार्य श्री शान्ति सागर महिला आश्रम 4 आचार्य श्री शान्ति सागर छाणी आत्मोन्नति भवन

189 आचार्य श्री शान्ति सागर जी की प्रेरणा से ठाकुर मनोहर सिंह ने दशहरा पर क्या बंद कर दिया ?

1 बैलों की दौड़ 2 रावण दहन 3 भैंसे की बलि 4 पशु विक्रय

190 1925 वर्ष का चौमास मुनि श्री शान्तिसागर जी ने कहाँ किया ?

1 देवगढ़ 2 ललितपुर 3 टीकमगढ़ 4 आहार जी

191 नसिराबाद में आचार्य श्री शान्ति सागर जी ने कब चौमास किया ?

1 1932 2 1938 3 1935 4 1936

192 नसिराबाद में आचार्य श्री शान्ति सागर जी के चौमास के समय कितने जैन घर थे ?

1 50 2 75 3 100 4 125

193 वर्ष 1933 का चौमास आचार्य श्री शान्ति सागर जी ने कहाँ किया ?

1 अजमेर 2 ब्यावर 3 केकड़ी 4 किशनगढ़

194 केवलदास जी के बहनोई का गाँव कौनसा था ?

1 बीकानेर 2 चितौडगढ़ 3 बांकानेर 4 परसौल

195 ब्यावर चौमास में दोनो मुनि संघ की व्यवस्था मुख्यत: कौन कर रहा था ?

1 सेठ भागचन्द सोनी 2 सेठ हुकुमचन्द 3 सेठ तोतालाल हीरालाल 4 सेठ अमीरचन्द

196 आचार्य श्री शान्तिसागर जी उत्तर वाले किस आम्नाय से थे ?

1 13 पंथी 2 20 पंथी 3 तारण तरण 4 किसी से नही

197 आचार्य श्री शान्ति सागर जी दक्षिण वाले किस आम्नाय से थे ?

1 13 पंथी 2 20 पंथी 3 तारण तरण 4 किसी से नही

198 ब्यावर चौमास को आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने काहे का त्याग करके पूरा किया ?

1 दूध 2 मीठा 3 नमक 4 दूध के सिवा सभी रस व हरित

199 चौमास के बाद दोनो महान आचार्यो श्री शान्ति सागर जी (छाणी व दक्षिण) ने कहाँ तक साथ विहार किया ?

1 जयपुर तक 2 कोटा तक 3. अजमेर तक 4 उदयपुर तक

200 वर्ष 1934 का चौमास आचार्य श्री शान्ति सागर जी छाणी ने कहाँ किया ?

1 सागवाडा 2 पदमपुरा 3 सांगानेर 4 जहाजपुर

इस प्रतियोगिता के समस्त प्रश्न एवं वर्ग पहेली 'प्रशममूर्ति' (आचार्य श्री शांतिसागरजी 'छाणी' (उत्तर) जीवनयात्रा) नामक पुस्तक से लिये गये हैं। प्रतियोगिता एवं पुस्तक की पीडीएफ आपको व्हाट्सअप पर भी उपलब्ध हो सकती है।

प्रतियोगिता एवं पुस्तक की पीडीएफ व्हाट्सअप पर मंगाने के लिये आप अपना नाम एवं शहर के नाम के साथ 'प्रशममूर्ति' शब्द लिखकर निम्न नम्बर पर भेज दें।

मोबाईल नं. 8410120127

आचार्य श्री के चातुर्मास स्थल

गि	र	ना	र	ऋ	ष	भ	दे	व	ज्ञा
री	स	लु	[illegible]	ब	र	डा	क	प	त्
डी	ल	ख	न	ऊ	वा	रं	गा	न	व
ह	र	न	पु	ग	अं	बा	ला	सी	वा
ल्	ली	शी	सा	म	ला	य	व	रा	त
श	मी	र	प	र	गो	मा	णु	बा	द
ल	लि	त	पु	र	प	लि	ढ	द	क्षि
र	त	ठ	पु	स	ता	घ	या	र	म
क्	लो	य	ता	गी	र	पु	व	को	गां
र	द	ल	क	ल	इं	दौ	र	क	ट
उ	टे	श	व	र	भी	ड	र	थं	भौ
बा	दा	स	मु	पा	र	सो	ला	ख	ना

आचार्यश्री शान्तिसागर जी (छाणी) प्रश्न प्रतियोगिता (उत्तर पृष्ठ)

1.	1	2	3	4	26.	1	2	3	4
2.	1	2	3	4	27.	1	2	3	4
3.	1	2	3	4	28.	1	2	3	4
4.	1	2	3	4	29.	1	2	3	4
5.	1	2	3	4	30.	1	2	3	4
6.	1	2	3	4	31.	1	2	3	4
7.	1	2	3	4	32.	1	2	3	4
8.	1	2	3	4	33.	1	2	3	4
9.	1	2	3	4	34.	1	2	3	4
10.	1	2	3	4	35.	1	2	3	4
11.	1	2	3	4	36.	1	2	3	4
12.	1	2	3	4	37.	1	2	3	4
13.	1	2	3	4	38.	1	2	3	4
14.	1	2	3	4	39.	1	2	3	4
15.	1	2	3	4	40.	1	2	3	4
16.	1	2	3	4	41.	1	2	3	4
17.	1	2	3	4	42.	1	2	3	4
18.	1	2	3	4	43.	1	2	3	4
19.	1	2	3	4	44.	1	2	3	4
20.	1	2	3	4	45.	1	2	3	4
21.	1	2	3	4	46.	1	2	3	4
22.	1	2	3	4	47.	1	2	3	4
23.	1	2	3	4	48.	1	2	3	4
24.	1	2	3	4	49.	1	2	3	4
25.	1	2	3	4	50.	1	2	3	4

51.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	76.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
52.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	77.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
53.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	78.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
54.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	79.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
55.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	80.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
56.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	81.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
57.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	82.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
58.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	83.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
59.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	84.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
60.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	85.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
61.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	86.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
62.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	87.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
63.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	88.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
64.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	89.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
65.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	90.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
66.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	91.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
67.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	92.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
68.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	93.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
69.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	94.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
70.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	95.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
71.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	96.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
72.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	97.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
73.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	98.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
74.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	99.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐
75.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐	100.	1 ☐	2 ☐	3 ☐	4 ☐

101.	1	2	3	4
102.	1	2	3	4
103.	1	2	3	4
104.	1	2	3	4
105.	1	2	3	4
106.	1	2	3	4
107.	1	2	3	4
108.	1	2	3	4
109.	1	2	3	4
110.	1	2	3	4
111.	1	2	3	4
112.	1	2	3	4
113.	1	2	3	4
114.	1	2	3	4
115.	1	2	3	4
116.	1	2	3	4
117.	1	2	3	4
118.	1	2	3	4
119.	1	2	3	4
120.	1	2	3	4
121.	1	2	3	4
122.	1	2	3	4
123.	1	2	3	4
124.	1	2	3	4
125.	1	2	3	4
126.	1	2	3	4
127.	1	2	3	4
128.	1	2	3	4
129.	1	2	3	4
130.	1	2	3	4
131.	1	2	3	4
132.	1	2	3	4
133.	1	2	3	4
134.	1	2	3	4
135.	1	2	3	4
136.	1	2	3	4
137.	1	2	3	4
138.	1	2	3	4
139.	1	2	3	4
140.	1	2	3	4
141.	1	2	3	4
142.	1	2	3	4
143.	1	2	3	4
144.	1	2	3	4
145.	1	2	3	4
146.	1	2	3	4
147.	1	2	3	4
148.	1	2	3	4
149.	1	2	3	4
150.	1	2	3	4

151.	1	2	3	4
152.	1	2	3	4
153.	1	2	3	4
154.	1	2	3	4
155.	1	2	3	4
156.	1	2	3	4
157.	1	2	3	4
158.	1	2	3	4
159.	1	2	3	4
160.	1	2	3	4
161.	1	2	3	4
162.	1	2	3	4
163.	1	2	3	4
164.	1	2	3	4
165.	1	2	3	4
166.	1	2	3	4
167.	1	2	3	4
168.	1	2	3	4
169.	1	2	3	4
170.	1	2	3	4
171.	1	2	3	4
172.	1	2	3	4
173.	1	2	3	4
174.	1	2	3	4
175.	1	2	3	4
176.	1	2	3	4
177.	1	2	3	4
178.	1	2	3	4
179.	1	2	3	4
180.	1	2	3	4
181.	1	2	3	4
182.	1	2	3	4
183.	1	2	3	4
184.	1	2	3	4
185.	1	2	3	4
186.	1	2	3	4
187.	1	2	3	4
188.	1	2	3	4
189.	1	2	3	4
190.	1	2	3	4
191.	1	2	3	4
192.	1	2	3	4
193.	1	2	3	4
194.	1	2	3	4
195.	1	2	3	4
196.	1	2	3	4
197.	1	2	3	4
198.	1	2	3	4
199.	1	2	3	4
200.	1	2	3	4

आचार्य श्री के चातुर्मास स्थल का उत्तर पृष्ठ (वर्ग पहेली)

1. ऋषभदेव (उदाहरण) ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....
11. ....
12. ....
13. ....
14. ....

भेजने वाले का नाम व पूरा पता

नाम ....

पिता/पति ....

पता ....

....

मोबाईल नं. ....

शुभकामना परिवार : प्रस्तावना व उद्देश्य

सदियों से भारतभूमि तप-त्याग में लीन मुनि आर्यिकाओं के आचार-विचार से पल्लवित होती रही है। उनका जीवन आत्मकल्याण के साथ ही मानव कल्याण के चिंतन से सुशोभित होते हुये आगे बढ़ता आया है। भारतीय दर्शन की इसी परम्परा में आर्यिका रत्न श्री स्वस्ति भूषण माताजी ने हमारे जीवन को सरल, सुगम, सुंदर बनाने के लिये घर-घर में श्री भक्तामर पाठ करने की पावन प्रेरणा दी। जिसके परिणामस्वरूप रोहतक हरियाणा से प्रारम्भ होकर गांव-गांव और नगर में जैन समाज द्वारा संगठित होकर श्री भक्तामर पाठ होने लगे और इस मंगल भावना और संस्था को पूज्य माता जी ने नाम दिया 'शुभकामना परिवार'।

पूज्य गणिनी आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी समाज को दिशा दिखाकर आगे विहार कर जाती और नये समाज में शुभकामना परिवार की रचना करती जाती। अब इन परिवारों में संगठन और उत्साह बनाये रखने हेतु 1 जनवरी 2009 को बिहारी कॉलोनी दिल्ली में शुभकामना परिवार की प्रथम बैठक का आयोजन हुआ और गठन हुआ शुभकामना परिवार की प्रथम राष्ट्रीय कार्यकारिणी का।

इसका सुखद परिणाम ये हुआ कि इसी वर्ष 25 अक्टूबर 2009 को रामनगर दिल्ली में हमें शुभकामना परिवार का प्रथय राष्ट्रीय अधिवेशन मनाने का अवसर प्राप्त हुआ। जिसमें 25 शाखाओं के प्रतिनिधियों ने प्रथम बार एक साथ सम्मिलित होकर इस संगठन को गति प्रदान की।

वर्ष 2010 द्वितीय अधिवेशन मोरार (ग्वालियर), 2011 तृतीय अधिवेशन झालरापाटन, 2012 चतुर्थ अधिवेशन विज्ञान नगर कोटा, 2013 से 2021 तक लगातार अधिवेशन जहाजपुर, 2022 चतुर्दश अधिवेशन पदमपुरा, 2023 पंचदश अधिवेशन सोनागिरि, 2024 षोडश एवं 2025 सप्तदश अधिवेशन जहाजपुर में आयोजित हुए हैं।

परम पूज्य माता जी के पावन सानिध्य में प्रतिवर्ष यह राष्ट्रीय स्तर का आयोजन भी सदस्यों में एक नयी ऊर्जा का संचार कर रहा है। शुभकामना परिवार का मूल उद्देश्य प्रत्येक सदस्य के यहाँ वर्ष में एक बार 1 घंटे का भक्तामर पाठ का आयोजन है।

इसके अतिरिक्त अनेक शाखाएँ समाज में गरीबों को वस्त्र एवं फलाहार वितरण, भोजनशाला, मुनियों को आहार, रथयात्रा आदि में आरती स्टॉल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विधान जैसे पुण्यवर्धक आयोजन भी कर रही हैं।

वर्तमान में शुभकामना परिवार 9 राज्यों हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तराखण्ड और पश्चिम बंगाल में लगभग 400 शाखाओं के रूप में विस्तार ले चुका है।

शुभकामना परिवार से कैसे जुड़ें?

आपके नगर में यदि शुभकामना परिवार की शाखा नहीं है, तो मात्र न्यूनतम 5 सदस्यों से आप शाखा शुरू कर सकते हैं। जिसकी सूचना आप महामंत्री जी को सदस्य सूची (नाम-पता जन्मतिथि मोबाइल नं.) भेजकर दे सकते हैं। शाखा सदस्य होने के लिए कोई शुल्क नहीं है। केवल आपको नियमित भक्तामर पाठ में सम्मिलित होना है। नये सदस्यों को नियमित (प्रत्येक माह) पाँच पाठ में अनिवार्य रूप से सम्मिलित होना है।

यदि आप राष्ट्रीय कार्यकारिणी से जुड़ना चाहते हैं तो केवल 2100 रु. मात्र देकर 10 वर्ष के लिए इसके सदस्य बनने का गौरव प्राप्त कर सकते हैं।

शुभकामना परिवार और आर्यिका गणिनी श्री स्वस्ति भूषण माता जी के समाचार **'स्वस्ति संदेश'** में प्रतिमाह प्रकाशित होते हैं। पत्रिका के सदस्य बनने के लिये आप सम्पादक श्री अनिल ठोरा (कोटा), मो. नं. 9352609001 से सम्पर्क कर सकते हैं।

आप **"www.munisuvratswastidham.com"** पर जाकर भी **श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र स्वस्ति धाम जहाजपुर, आर्यिका गणिनी श्री स्वस्ति भूषण माताजी एवं शुभकामना परिवार** के विषय में विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये आप संस्था के किसी भी पदाधिकारी व सदस्य से भी सम्पर्क कर सकते हैं-

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष/सम्पादक	राष्ट्रीय संगठन मंत्री	राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी
जय कुमार कोठारी	**सुरेन्द्र जैन (गैस वाले)**	**अनिल ठोरा**	**विकास जैन**	**यथार्थ पाटनी**
भीलवाड़ा (राज.)	मदनपुरी, सहारनपुर (उ.प्र.)	कोटा (राज.)	सहारनपुर (उ.प्र.)	कोटा (राज.)
मो. 9829045662	मो. 9368779355	मो. 9352609001	मो. 8410120127	मो.: 9928862233

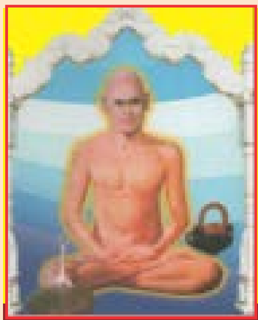

आचार्यश्री 108 शान्तिसागर महाराज (छाणी) जी
के
आचार्य पदारोहण शताब्दी-वर्ष
के शुभावसर पर कोटिशः नमोऽस्तु नमोऽस्तु नमोऽस्तु

उत्तर भारत के प्रथमाचार्य
परमपूज्य प्रशममूर्ति ब्रह्मचारी योगीसम्राट, तपोनिधि दिगम्बर जैनाचार्य

श्री 108 शान्तिसागरजी महाराज (छाणी)

आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष - 2026-27 पर

शुभकामना परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

सम्पूर्ण भारत के तीर्थ क्षेत्रों की प्रांतवार रंगीन नक्शों सहित

दिगम्बर जैन तीर्थ निर्देशिका®

❋ लेटेस्ट मोबाईल नं./ईमेल आई.डी./वेबसाइट ❋ क्षेत्र पर उपलब्ध सुविधाएँ ❋ लोकेशन QR कोड ❋ कमरे एसी/नान एसी/भोजनशाला
❋ रेलवे / बस स्टेण्ड से दुरी ❋ क्षेत्र की एतिहासिकता ❋ पहाड़ है या नहीं / गाड़ी जा सकती है / सिढ़ियाँ कितनी है
❋ आस-पास कितने तीर्थ है एवं दुरी ❋ क्षेत्र का बैंक एकाउन्ट आदि अनेक जानकारी जो आपकी यात्रा सुविधाजनक कर सके

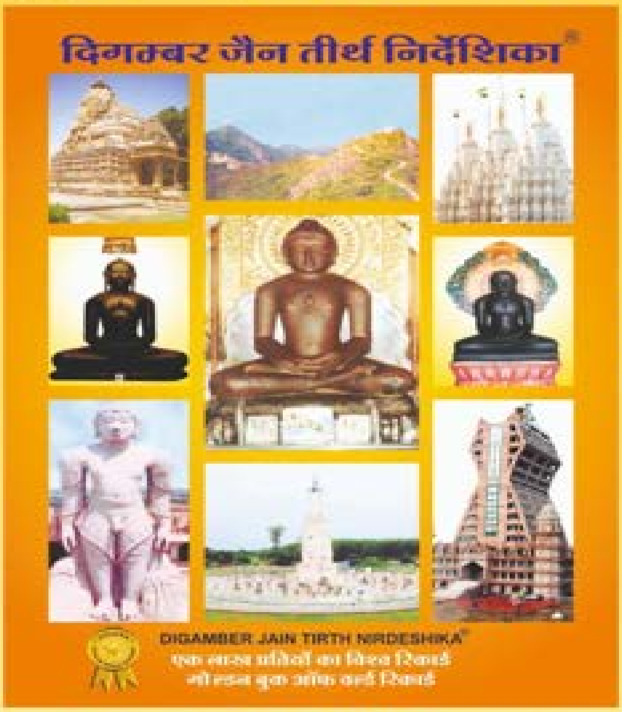

पृष्ठ 400
अपनी प्रति
आज ही
मँगवाए

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

1,00,000 प्रतियों का विश्व रिकार्ड
गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड

- सम्पर्क एवं प्राप्ति स्थल -

हसमुख जैन गांधी

211, देवधर कॉम्पलेक्स, छावनी, इन्दौर - 452001 (म.प्र.) मो. 9302103513
Email - hansmukhjaingandhi@gmail.com | also visit on : www.tirthnirdeshika.com

आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष आयोजन मनाने की प्रेरणा स्त्रोत

परम पूज्या गणिनी आर्यिका रत्न 105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी का संक्षिप्त परिचय

गृहस्थ नाम	:	संगीता जैन (गुड़िया)
जन्म तिथि	:	कार्तिक कृष्ण सप्तमी, दिन शनिवार (वि.सं. 2026), 1 नवम्बर 1969
जन्म स्थान	:	छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) बचपन सिवनी
पिता का नाम	:	श्री मोती लाल जी जैन, सिवनी (मप्र.) वर्तमान में क्षु. श्री 105 परिणामसागर जी महाराज
माता का नाम	:	श्रीमती पुष्पादेवी जैन (वर्तमान में क्षुल्लिका श्री 105 अर्हंतमती माताजी)
प्रथम ब्रह्मचर्य व्रत	:	परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज
लौकिक शिक्षा	:	एम.ए. (संस्कृत)
आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत एवं दीक्षा गुरु	:	प्रशान्तमूर्ति आचार्य 108 श्री शान्तिसागर जी (छाणी) महाराज (उत्तर) के पंचम पट्टाचार्य सिंहरथ प्रवर्तक त्रिलोकतीर्थ प्रणेता आचार्यश्री 108 विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज
दीक्षा तिथि व स्थान	:	माघ शुक्ल पंचमी, दिन बुधवार (वि.सं. 2052), 24 जनवरी 1996, इटावा (उ.प्र.)
गणिनी पद प्रदाता	:	परम पूज्य सराकोद्धारक तीर्थोद्धारक षष्ट्म पट्टाचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज
तिथि एवं स्थान	:	फाल्गुन कृष्ण पंचमी, दिन बृहस्पतिवार (वि.सं. 2076), 13 फरवरी 2020, स्वस्ति धाम, जहाजपुर
पदयात्रा	:	30,000 कि.मी. लगभग,
संस्कार शिविर	:	बाल साधना संस्कार शिविर, ज्ञान ध्यान शिविर, ध्यान योग शिविर, शताधिक, श्रावक संस्कार शिविर
प्रतिकृति रचनाएं	:	श्री समवशरण, श्री सम्मेद शिखर, श्री कैलाश पर्वत एवं श्री पावापुरी जी की प्रतिकृति (अनेकों नगरों में)
जैन साहित्य रचना	:	100 से अधिक रचना
सम्मेद शिखर यात्रा	:	121 वन्दना
जेल प्रवचन	:	सैंट्रल जेल अम्बाला, रुड़की जेल, सोनीपत जेल अम्बाला, डिस्ट्रिक जेल झालावाड, सैन्ट्रल जेल कोटा, सैन्ट्रल जेल जयपुर, महिला जेल जयपुर
मंगल चातुर्मास	:	कुरावली 1996, बड़ौत 1997, गोहाना 1998, चण्डीगढ़ 1999, सहारनपुर 2000, मुरादाबाद 2001, श्री सम्मेद शिखर जी 2002, सिरसागंज 2003, हरिद्वार 2004, अम्बाला 2005, शामली 2006, रोहतक 2007, सूर्य नगर (गाजियाबाद) 2008, रामनगर (दिल्ली) 2009, मुरार (ग्वालियर) 2010, झालरापाटन 2011, कोटा 2012, जहाजपुर (भीलवाडा) 2013, जहाजपुर (स्वस्ति धाम) 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019,2020,2021, पद्मपुरा (बाड़ा) 2022, श्री सोनागिर जी 2023, जहाजपुर (स्वस्ति धाम) 2024, 2025

-: शुभकामना परिवार :-

राष्ट्रीय अध्यक्ष
जय कुमार कोठारी
भीलवाड़ा (राज.), मो. 9829045662

राष्ट्रीय महामंत्री
सुरेन्द्र जैन (गैस वाले)
मदनपुरी, सहारनपुर (उ.प्र.), मो. 9368779355

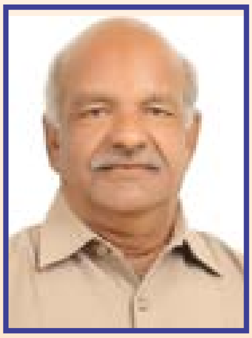

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष/सम्पादक
अनिल ठोरा
कोटा (राज.), मो. 9352609001

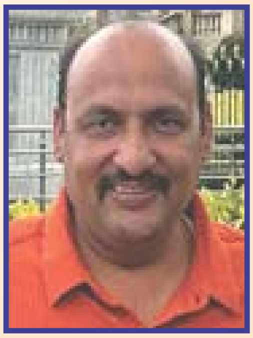

राष्ट्रीय संगठन मंत्री
विकास जैन
सहारनपुर (उ.प्र.), मो. 8410120127